www.sgbauonline.com

(5) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः।
प्रारभ्य विघ्ननिहिता विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैर्मुहुर्मुहुरपि प्रतिहन्यमाना।
प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति। 15

(आ) Write note on any **ONE** :

कोणत्याही **एका** विषयावर टीप लिहा :

किसी **एक** पर टिप्पणी लिखे :

(1) सज्जनप्रशंसा

(2) परोपकार

(3) विद्याप्रशंसा. 5

5. Translate any **TWO** shlokas :

कोणत्याही **दोन** श्लोकांचा अनुवाद करा :

कोई भी **दो** श्लोकों का अनुवाद करें :

(1) भज गोविंदं, भज गोविंदं, गोविंदं भज मूढमते।
संप्राप्ते संनिहिते काले न हि नहि रक्षति डुकृञ् करणे।

(2) बालस्तावत्क्रीडासक्तः तरूणस्तावत्तरूणीसक्तः।
वृद्धस्तावच्चिन्तामग्नः परे ब्रह्मणि कोऽपि न लग्नः।

(3) अग्रे वन्हिः पृष्ठे भानू रात्रौ चिबुकसमर्पित जानू।
करतलभिक्षा तरूतलवासः तदपि न मुञ्चत्याशापाशः।

(4) भगवद्गीता किञ्चिदधीता गंगाजललवकणिका पीता।
सकृदपि येन मुरारिसमर्चा तस्य यमः किं कुरूते चर्चा।

10

B.A. (Part–III) Examination

SANSKRIT

(Modern Indian Languages)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 70

Note :— Answer in the medium offered.

सूचना :— उत्तरे स्वीकृत माध्यमातून लिहावीत.

सूचना :— उत्तर स्वीकृत माध्यम में लिखिये।

1. Translate any **THREE** of the following :

कोणत्याही **तीन** श्लोकांचे भाषान्तर करा :

किन्हीं **तीन** श्लोकों का अनुवाद करे :

(1) श्रीहर्षो निपुणः कविः परिषदप्येषा गुणग्राहिणी
लोके हारि च वत्सराजचरितं नाट्ये च दक्षा वयम्।
वस्त्वैकैकमपीह वांच्छितफलप्राप्तेः पदं किं पुनः
मद्भाग्योपचयादयं समुदितः सर्वो गुणानां गणः।।

(2) कुसुमसुकुमार मूर्तिर्दधति नियमेन तनुतरं मध्यम्।
आभाति मकरकेतोः पार्श्वस्था चापयष्टिरिव।।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(3) प्रसीदेति ब्रूयामिदमसति कोपे न घटते।
करिष्याम्येवं नो पुनरिति भवेदभ्युपगम:।।
न मे दोषोऽस्तीति त्वमिदमपि न ज्ञास्यसि मृषा।
किमेतस्मिन् वक्तुं क्षममिति न वेद्मि प्रियतमे।।

(4) यातोऽस्मि पद्मनयने समयो ममैष।
सुप्ता मयैव भवति प्रतिबोधनीया।
प्रत्यायनामयमितीव सरोरूहिण्या:।
सूर्योऽस्तमस्तक निविष्टकर: करोति।

(5) व्यक्तं लग्नोऽपि भवतिं न दहत्येव पावक:
यत: सन्तापमेवायं स्पर्शस्ते हरति प्रिये। 15

2. Explain with reference to context any **THREE** of the following :

कोणत्याही **तीन** वाक्यांचे ससंदर्भ स्पष्टीकरण करा :

किन्हीं **तीन** वचनों का ससंदर्भ स्पष्टीकरण करे :

(1) वत्सेश्वर: कुसुमचाप इवाभ्युपैति।
(2) अथवा कमलाकरं वर्जयित्वा राजहंसन्यत्रभिरमते।
(3) अचिन्त्योऽहि मणिमंत्रमौषधीनां प्रभाव:।
(4) शपे ब्रह्मसूत्रेण यदीदृशी कदाप्यस्माभिर्दृष्टपूर्वा।
(5) साधु कोसलपते साधु ! मृत्युरपि ते श्लाघ्य:। 15

3. Sketch the character of उदयन **OR** वासवदत्ता.

राजा उदयन **किंवा** वासवदत्तेचे चरित्र-चित्रण करा.

राजा उदयन **अथवा** वासवदत्ता का चरित्र-चित्रण करें। 10

4. (अ) Translate any **THREE** shlokas :

कोणत्याही **तीन** श्लोकांचा अनुवाद करा :

किन्ही **तीन** श्लोकों का अनुवाद करे :

(1) मातेव रक्षति पितेव हिते नियुक्तं।
कान्तेव चाभिरमयत्यपनीय खेदम्।।
कीर्तिश्च दिक्षु वितनोति तनोति लक्ष्मीं।
किं किं न साधयति कल्पलतेव विद्या।।

(2) जयंति ते सुकृतिनो रससिद्धा: कवीश्वरा:।
नास्ति येषां यश: काये जरामरणजं भयम्।।

(3) सत्यानृता च परूषा च प्रियवादिनीच।
हिंसा दयालुरपि चार्थपरा वदान्या।।
नित्यव्यया प्रचुरनित्यधनागमा च।
वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा।।

(4) पद्माकरं दिनकरो विकचीकरोति।
चंद्रोविकासयति कैरवचकवालम्।।
नाभ्यर्थितो जलधरोऽपि जलं ददाति।
सन्त: स्वयं परहिते विहिताभियोगा:।।

www.sgbauonline.com